प्रेस रिलीज

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आईटीबीपी को 03 उत्तम जीवन रक्षा पदक और 05 जीवन रक्षा पदक से सम्मानित करने की घोषणा

नई दिल्ली, 26 जनवरी-2022:- 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के 08 पदाधिकारियों को भारत सरकार द्वारा विभिन्न जीवन रक्षा पदाकों से सम्मानित किए जाने की घोषण की है:-

उत्तम जीवन रक्षा पदक:

1. श्री जहीर अहमद, सिपाही (जीडी)
2. मोहम्मद हुसैन, सिपाही (जीडी)
3. श्री शौकत अली, सिपाही (जीडी)

18 फरवरी, 2021 को सूचना मिली की आईटीबीपी की लेह स्थित मुरगो चौकी से 5 किमी. दूर इंडिया गेट लोकेशन के पास एक सिविल ट्रक और 02 सेना के वाहन आपस में टकराने से दुर्घटनाग्रस्त हो गए और बहुत गहरी खाई में जा गिरे। सूचना मिलते ही आईटीबीपी की टीम तुरंत हरकत में आ गई तथा घटना स्थल पर पहुंचकर तुरंत बचाव व तलाशी अभियान शुरू किया। बचाव दल ने देखा की गहरी खाई में सेना के वाहन के नीचे घायल व्यक्ति दबे हुए हैं। लगभग 15 हजार फीट की ऊँचाई पर हुए इस हादसे, जहां पर तापमान माइनस30 डिग्री सेल्सियश से नीचे था और तेज ठंडी हवाएं चल रही थीं, जो बचाव दल को अपना अभियान चलाने से रोक रही थीं। विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच बचाव दल में शामिल सिपाही (जीडी) शौकत अली, सिपाही (जीडी) जहीर अहमद और सिपाही (जीडी) मोहम्मद हुसैन, जो कि वहां के जमीनी हालातों से वाकिफ थे, उन्होंने गहरी खाई में उतरने का फैसला किया, ताकि सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। रस्सी के सहारे तीनों आईटीबीपी के जवान मलबे से भरी गहरी खाई में उतरे तो उनको घायल सेना के जवानों की आवाज सुनाई दी, आवाज के दिशा में जाने पर उनको 02 सेना के बुरी तरह घायल जवान जिनके नाम नायक ए.के. सिंह और नायक रहमान थे, दिखाई दिए जिनको रस्स्यिों के सहारे खाई से बाहर निकाला गया और उनको आवश्यक प्राथमिक उपचार प्रदान कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इसके अलावा आईटीबीपी के इस बचाव दल ने दो सेना के जवानों के मृतक पार्थिव शरीरों को भी बाहर निकाला। उक्त बचाव व तलाशी अभियान में आईटीबीपी के बचाव दल के तीनों सदस्यों द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुए प्रतिकूल मौसमी हालातों में अदम्य साहस, मानवता और बहादुरी का परिचय दिया जिसके लिए इन्हें 'उत्तम जीवन रक्षा पदक' से सम्मानित किया गया है।

जीवन रक्षा पदक

1. श्री प्रदीप सिंह, हेड कांस्टेबल (जीडी)
2. श्री सतवीर सिंह, हेड कांस्टेबल (मेडिक्स)
3. श्री विजय सिंह, सिपाही (जीडी)
4. श्री विमल चंद शाह, निरीक्षक (जीडी)
5. श्री विनोद लाल, सिपाही (जीडी)

08 सितंबर, 2020 को उत्तराखंड में 14,698 फीट की ऊँचाई पर स्थित प्रथम वाहिनी, जोशीमठ, आईटीबीपी की टोपी डुंगा अग्रिम चौकी पर एक 19 वर्षीय सिविल नौजवान जिनका नाम मनोज था, को बेहोशी की हालत में लाया गया। यह नवयुवक बायो टायलेट निर्माण कार्य में लेबर का काम करता था। चौकी पर पदस्थ हेड कांस्टेबल(मेडिक्स) सतबीर सिंह द्वारा बेहोश नौजवान का प्राथमिक चैक-अप किया गया, जिसके उपरांत मरीज को तत्काल ऑक्सीजन दी गई, लेकिन नौजवान की हालत में अस्थिरता बनी रही। मानवजीवन को बचाने के लिए चौकी कमांडर निरीक्षक (जीडी) विमल चंद शाह द्वारा नौजवान को आकस्मिक स्थिति में चौकी से नीचे ले जाने का फैसला लिया। कडाके की सर्दी और लगभग 40 किमी. पैदल का ऊबड-खाबड रास्ता तय करने चौकी प्रभारी द्वारा एक हिमवीरों का दल तैयार किया गया जिसमें हेड कांस्टेबल (मेडिक्स) सतवीर सिंह, हेड कांस्टेबल (जीडी) प्रदीप कुमार, सिपाही (जीडी) विजय सिंह व सिपाही (जीडी) विनोद लाल सम्मिलित थे। उक्त दल द्वारा बेहोश नौजवान को स्ट्रेचर पर लगातार ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ कडकडाती ठंड और पथरीले रास्ते में अपने कंधों पर पैदल चलकर सुरक्षित स्थान लपथल चौकी लाया गया जहां से सडक मार्ग द्वारा उसको जोशीमठ ले जाकर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया और उसके जीवन को सुरक्षित बचा लिया गया। चौकी प्रभारी द्वारा लिए गए त्वरित निर्णय और बचाव दल द्वारा दिखाए गए साहस और मानवीयता के लिए इन्हें 'जीवन रक्षा पदक' से सम्मानित किया गया है।

श्री संजय अरोरा, महानिदेशक, आईटीबीपी ने पदक प्राप्तकर्ता पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

(विवेक कुमार पाण्डेय)
जनसंपर्क अधिकारी
महानिदेशालय, आईटीबीपी

Press Release

ITBP receives 08 Jeevan Raksha Padak on Republic Day 2022-
03 Uttam Jeevan Raksha Padak and 05 Jeevan Raksha Padak

26 Jan, 2022, New Delhi- On the occasion of 73rd Republic Day, 2022 Government of India has conferred 06 Jeevan Raksha Padak to ITBP personnel-

Uttam Jeevan Raksha Padak

1. Sh Jahir Ahamed, Constable (GD)
2. Mohd. Hussain, Constable (GD)
3. Sh Shoukat Ali, Constable (GD)

On dated 18.02.2021 information was received from civil truck driver that 02 Army vehicles had met with an accident and rolled down into a deep gorge near India Gate location, approx 5 Kms from Murgo post Leh. On receipt of information rescue party of ITBP rushed to the accident site immediately alongwith available equipments being the first responder. The team started search and rescue operation at the accidental site and saw that, there were injured personnel inside the damaged army vehicle in the gorge. The climatic conditions were very harsh with temperature below -30°c. Cold and chilled fast wind at the height of 15000 feet was obstructing the movement of troops. CT/GD Shoukat Ali, CT/GD Jahir Ahamed & CT/GD Mohd. Hussain who were well known and experienced with the terrain. Due to the mountaineering skills, agility and physical toughness all 03 jawans rappelled down in a deep dark gorge with the help of rope and recognized injured army personnel in the debris. These ITBP jawans heard the voice of whining injured army personnel, rushed toward the voice and spotted 02 Indian Army personnel named Naik A.K Singh and Naik Rahman badly injured. The rescue team with the help of ropes and rescue equipments pulled out the injured army personnel. After the first medical Aid, both the injured personnel were immediately mobilized to army hospital. The Rescue team also retrieved 02 dead bodies of army personnel from the incident site. ITBP Jawans had showed true grit, great courage, extensive determination and a great example of professionalism in a difficult terrain and harsh climate condition they volunteered to go for the rescue mission. In recognition of the exemplary courage thereby saving precious human lives, all three awarded with the **"Uttam Jeevan Raksha Padak".**

Jeevan Raksha Padak

1. Sh Pradeep Singh, Head Constable (GD)
2. Sh Satvir Singh, Head Constable (Medics)
3. Sh Vijay Singh, Constable (GD)
4. Sh Vimal Chand Shah, Inspector (GD)
5. Sh Vinod Lal, Constable (GD)

On 08.09.2020, in midnight a bio-toilet laborer namely Manoj (Civil person), age-19 years was brought to the MI Room of Topi dunga post, Joshimath, 1st Bn ITBP in an unconscious state by his companions. Topi dunga is a seasonal forward post of 1st Bn ITBP, which lies at a height of approx. 14,698 feet in the remote area of Uttarakhand.

HC/GD (Medic) Satvir Singh carried out his initial physical investigation. And the patient was immediately given oxygen, but no improvement was seen in his health condition and his medical condition was getting deteriorated. Thus, to save the precious human life, Post Commander Inspector (GD) Vimal Chand Shah, took the decision to evacuate the patient on emergency basis. A rescue operation was undertaken by a team, led by Inspector (GD) Vimal Chand Shah, consisting the Himveers namely HC(GD/Medic) Satvir Singh, HC/GD Pradeep Singh, CT/GD Vijay Singh, CT/GD Vinod Lal. The weather was extremely cold & it was pitch dark in the night. And the 8 km ascending track from Topidhunga to Khingru Dhura was quite narrow & arduous to travel but in order to save the life of patient, troops were ready to face all odds & challenges. The rescue party with its strong will & determination succeeded in reaching area Chhudang and handed over the patient to the helping party and further the patient was brought to Joshimath, where the he was admitted in Distt. Hospital, Joshimath & after due treatment his life was saved. The ITBP Jawans have shown true grit, great courage, extensive determination and a great example of professionalism. All the rescue team members awarded with **'Jeevan Raksha Padak'.**

Shri Sanjay Arora, Director General, ITBP conveyed his congratulations to the officers and men for receiving medals for their sincere and dedicated services rendered to the nation.

(Vivek Kumar Pandey)
Public Relations Officer